राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 07, अंक 162 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | रायपुर, शुक्रवार 15 अगस्त 2025 | www.samaydarshan.in

न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुत्व संविधान के मूल्य- मुर्मू

79वां स्वतंत्रता दिवसः देश के नाम राष्ट्रपति का संबोधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, हमारे द्वारा अपनाए गए संविधान की आधारशिला पर हमारे लोकतंत्र का भवन निर्मित हुआ है। हमने लोकतंत्र पर आधारित ऐसी संस्थाओं का निर्माण किया। जिससे लोकतांत्रिक कार्यशैली को मजबूती मिली। हमारे लिए हमारा संविधान और हमारा लोकतंत्र सर्वोपरि है।

इस दौरान राष्ट्रपति ने कहा कि भारत-भूमि, विश्व के प्राचीनतम गणराज्यों की धरती रही है। इसे लोकतंत्र की जननी कहना सर्वथा उचित है। हमारे द्वारा अपनाए गए संविधान की आधारशिला पर, हमारे लोकतंत्र का भवन निर्मित हुआ है। हमने लोकतंत्र पर आधारित ऐसी संस्थाओं का निर्माण किया जिनसे लोकतांत्रिक कार्यशैली को मजबूती मिली। हमारे लिए, हमारा संविधान और हमारा लोकतंत्र सर्वोपरि हैं।

राष्ट्रपति ने कहा- अतीत को देखते हुए, हमें देश के विभाजन से हुई पीड़ा को कदापि नहीं भूलना चाहिए। आज हमने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया। विभाजन के कारण भयावह हिंसा देखी गई और लाखों लोगों को विस्थापित होने के लिए मजबूर किया गया। आज हम इतिहास की गलतियों के शिकार हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

'न्याय, स्वतंत्रतता, समता और बंधुत्व- संविधान के चार मूल्य'

राष्ट्रपति मुर्मू ने आगे कहा, प्यारे देशवासियों, हमारे संविधान में ऐसे चार मूल्यों का उल्लेख है, जो हमारे लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाए रखने वाले चार स्तंभ हैं। ये मूल्य हैं- न्याय, स्वतंत्रतता,समता और बंधुत्व। ये हमारी सभ्यता के ऐसे सिद्धांत हैं, जिन्हें हमने स्वाधीनता संग्राम के दौरान पुनः जीवंत बनाया। मेरा मानना है कि इन सभी मूल्यों के मूल में व्यक्ति की गरिमा की अवधारणा विद्यमान है।

इस दौरान राष्ट्रपति ने कहा- प्रत्येक व्यक्ति समान है और सभी को यह अधिकार है कि उनके साथ गरिमापूर्ण व्यवहार हो। स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा-सुविधाओं तक, सभी की समान पहुंच होनी चाहिए। सभी को समान अवसर मिलने चाहिए। जो लोग पारंपरिक व्यवस्था के कारण वंचित रह गए थे। उन्हें मदद की जरूरत थी। इन सिद्धांतों को सर्वोपरि रखते हुए हमने 1947 में हमने एक नई यात्रा शुरू की।

राष्ट्रपति में भारत की आजादी का जिक्र करते हुए कहा कि विदेशी हुकूमत की लंबी अवधि के बाद स्वाधीनता के समय भारत घोर गरीबी से जूझ रहा था। लेकिन तब से अब तक के 78 वर्षों में हमने सभी क्षेत्रों में अशाधारण प्रगति की है। भारत ने आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने के मार्ग पर काफी दूरी तय कर ली है और प्रबल आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ता जा रहा है।

अवकाश सूचना

समस्त सुधी पाठकों, संवाददाताओं, विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को स्वतंत्रता दिवस की 79वीं वर्षगांठ की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को समय दर्शन कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 17 अगस्त को प्राप्त होगा।

संपादक

किश्तवाड़ में बादल फटा, अब तक 42 लोगों की मौतःचशोटी गांव में मचैल माता की धार्मिक यात्रा के लिए पहुंचे कई लोग बहे, 65 को बचाया

किश्तवाड़ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ के चशोटी गांव में गुरुवार दोपहर 12:30 बजे बादल फटा। कई लोग पहाड़ से आए पानी और मलबे की चपेट में आ गए। हादसे में अब तक 42 लोगों की मौत हो गई है। अब तक 65 लोगों को बचाया गया है। करीब 200 से ज्यादा लोग लापता हैं। हादसा उस समय हुआ जब हजारों श्रद्धालु मचैल माता यात्रा के लिए किश्तवाड़ में पड्डर सब-डिवीजन में चशोटी गांव पहुंचे थे। यह यात्रा का पहला पड़ाव है। बादल वहीं फटा है, जहां से यात्रा शुरू होने वाली थी। यहां श्रद्धालुओं की बसें, टेंट, लंगर और कई दुकानें थीं। सभी बाढ़ के पानी में बह गए। चशोटी किश्तवाड़ शहर से लगभग 90 किलोमीटर और मचैल माता मंदिर के रास्ते पर पहला गांव है। यह जगह पड्डर घाटी में है, जो 14-15 किलोमीटर अंदर की ओर है। इस इलाके के पहाड़ 1,818 मीटर से लेकर 3,888 मीटर तक ऊंचे हैं। इतनी ऊंचाई पर ग्लेशियर (बर्फकी चादर) और ढलानें हैं, जो पानी के बहाव को तेज करती हैं।

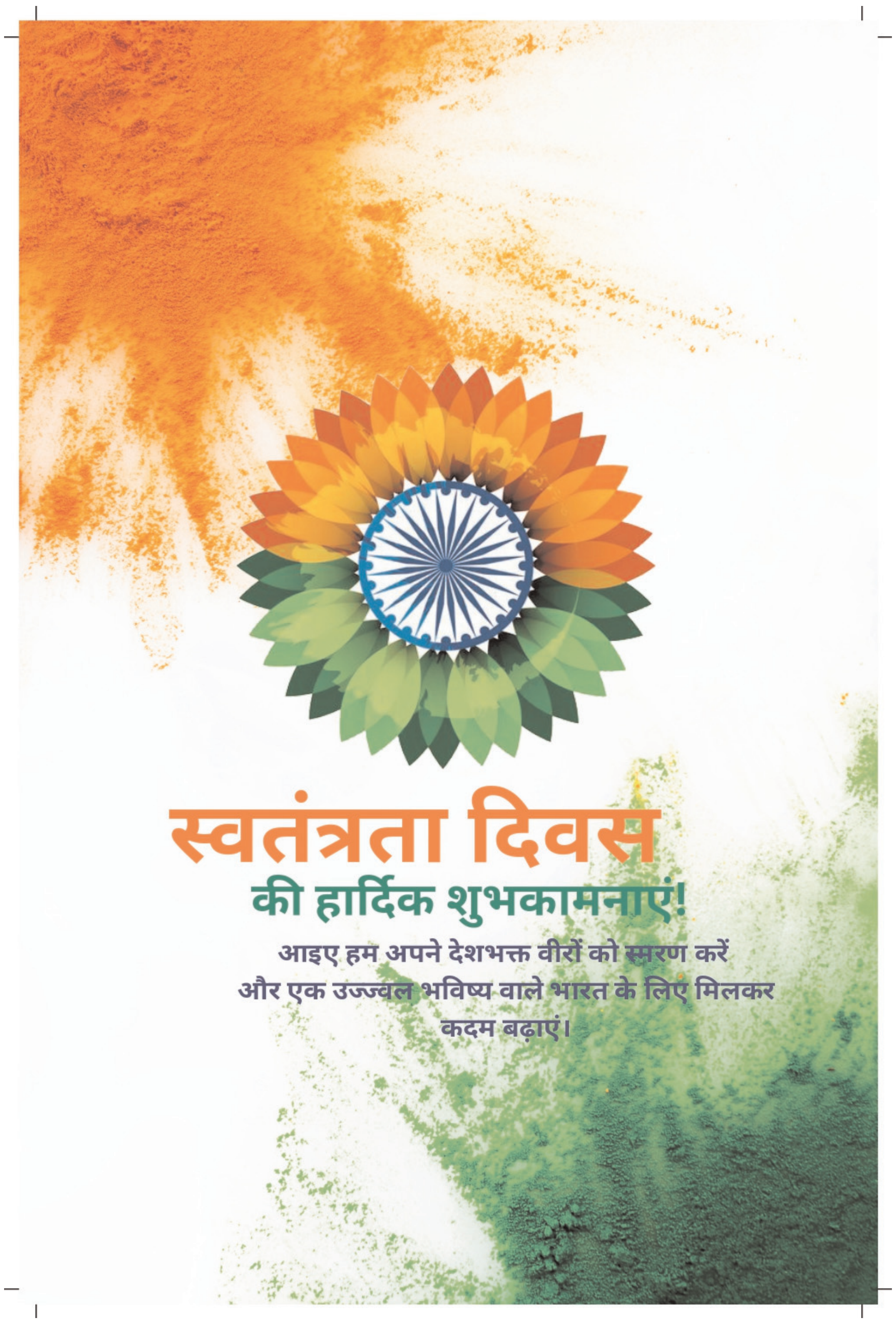

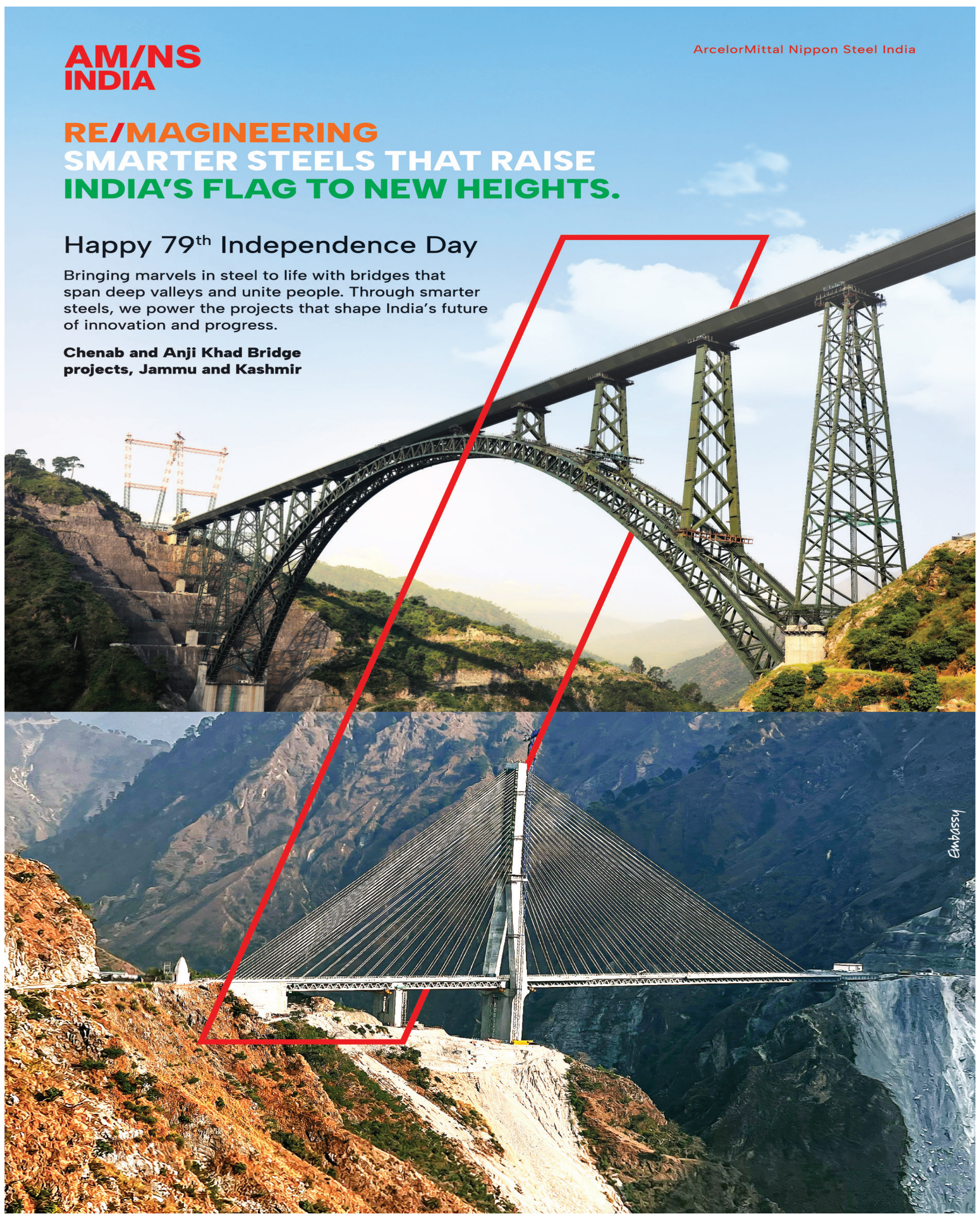

देशभक्ति की भावना के साथ स्वतंत्रता का संदेश लेकर कलेटर- एसपी के साथ दौड़ा गरियाबंद

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर भगवान सिंह उइके के निर्देशानुसार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी गरियाबंद जिले में आज स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन किया गया। देश की एकता, अखंडता और स्वतंत्रता को अक्षुण रखने का संदेश लेकर आज सुबह पुलिस परेड ग्राउंड गरियाबंद से कलेक्टर भगवान सिंह उइके और पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के साथ पूरा गरियाबंद शहर स्वतंत्रता दौड़ में शामिल हुआ ।कलेक्टर श्री उइके ने हरी झंडी दिखाकर स्वतंत्रता दौड़ का शुभारंभ किया। स्वतंत्रता का संदेश लेकर जिले के स्कूली बच्चे,युवा और गणमान्य नागरिकों ने जोश और जुनून के साथ दौड़ लगाई। स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पहले जिला प्रशासन तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस दौड़ में खेल संघों के पदाधिकारी,खिलाड़ियों,एनसीसी कैडेट्स,एनएसएस के छात्र छात्राओं, स्काउट गाइड के सदस्य, पुलिस के जवान सहित अधिकारी-कर्मचारियों ने भी शिरकत की। यह स्वतंत्रता दौड़ प्रात: 7 बजे पुलिस परेड ग्राउण्ड गरियाबंद से प्रारंभ होकर,देवभोग रोड में जिला पंचायत से सर्किट हाउस से होते हुए लगभग 1 कि.मी.तक आगे जाकर वापस पुलिस परेड ग्राउण्ड गरियाबंद में समाप्त हुई।

विभाजन की स्मृतियां जब मन पर आती है मन में सिहरन सी आ जाती है - अशोक बजाज

भाजपा की विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर कार्यक्रम संपन्न

दुर्ग (समय दर्शन)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा 14 अगस्त 2021 को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने की घोषणा के पश्चात राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर भारतीय जनता पार्टी के द्वारा प्रतिवर्ष विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का मनाई जा रही है इसी तारतम्य में दुर्ग जिला भाजपा के द्वारा भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक की अध्यक्षता में गौरव पथ में स्थित सतनामी आश्रम में कार्यक्रम आयोजित कर विभाजन विभीषिका के समय के दौर को याद किया गया और विभाजन के जनकों के कृत्यों की कड़ी आलोचना की गई आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कोषाध्यक्ष अशोक बजाज उपस्थित रहे कार्यक्रम में उनके साथ अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा, अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, विधायक ललित चंद्राकर ,गजेंद्र यादव, महापौर अल्का बाघमार, सभापति श्याम शर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रितपाल बेलचंदन, कार्यक्रम के संयोजक अजय

तिवारी, सदस्य अरुण सिंह ,गोपाल खत्री ,सीए श्रीचंद लेखवानी, सिंधी समाज के अध्यक्ष अटल गोदवानी उपस्थित रहे सतनामी आश्रम में कार्यक्रम के पूर्व भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं के द्वारा दुर्ग शहर के रानी लक्ष्मीबाई चौक से मौन जुलूस के रूप में पैदल मार्च करते हुए कसारिडीह ,साई मंदिर से होते हुए सिविल लाइन के सामने से सतनामी आश्रम पहुंची 7

इस अवसर पर संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज ने संबोधित करते हुए कहा कि भारत से शताब्दियों से जकड़ी हुई परतंत्रता की बेड़ियां 1947 में एक लंबे स्वतंत्रता संग्राम के बाद टूट गईं । देश जन-जन की आशाओं व आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में बढ़ चला, लेकिन देश को स्वतंत्रता के साथ ही साथ विभाजन की विभीषिका भी झेलनी पड़ी। मुस्लिम लीग की मुसलमानों के लिए अलग देश की मांग ने लाखों लोगों को विस्थापित कर दिया, यह विस्थापन कोई सामान्य नहीं था। हजारों-हजार लोगों का जनसंहार हुआ, महिलाओं के साथ जघन्यतम अपराध हुए- उस दौर में भारतीय उपमहाद्वीप में मानवता त्राहिमाम कर उठी।

संपादकीय

टैरिफ वॉर का दांव

अपने दूसरे कार्यकाल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ वॉर का दांव चल कर दुनिया के तमाम देशों को निशाने पर ले रहे हैं। भारत पर पच्चीस फीसद टैरिफ लगाने का फैसला पहले ही सुना चुके हैं। अब चौबीस घंटों के भीतर इससे कहीं ज्यादा टैरिफ लगाने की उनकी घोषणा एक और चेतावनी है। ट्रंप ने भारत के रूस से तेल खरीदने को वॉर मशीन की मदद करने सरीखा बताया है। भारत ने तत्काल इसे तर्कहीन बताया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका भी रूस से परमाणु उद्योग के लिए यूरेनियम, हेक्साफ्लोराइड और इलेक्ट्रिक वाहन इंडस्ट्री के लिए पैलेडियम, उर्वरक और रसायन आयात करता है। कड़े प्रतिबंधों के बावजूद अमेरिका ने तकरीबन साढ़े तीन अरब डॉलर का रूसी गुड्स ट्रेड किया है। भारत सरकार ने भी स्पष्ट किया कि वैश्विक बाजार को स्थिर करने के लिए अमेरिका द्वारा रूस से तेल खरीदते रहने को प्रोत्साहित किया गया था। मोदी को मित्र बता कर गलबहियां करने वाले ट्रंप के बदलते तेवर कूटनीतिक रूप से हताशा भरे माने जा सकते हैं। उन्होंने भारत को अच्छा व्यापारिक साझेदार न बता कर संदेह को भी बढ़ाने का काम किया है। रूस से सिर्फ तेल खरीद ही असल मुद्दा नहीं है। अमेरिका को भारत का रूसी सैन्य उपकरण लेना भी अखरता रहा है। अमेरिका के दबदबे को घुड़की देकर भारत ने वैश्विक समुदाय के समक्ष पश्चिमी देशों की पाखंड वाली नीति पर प्रश्न चिह्न लगाने में भी गुरेज नहीं किया। यूक्रेन में रूस के खिलाफ प्रॉक्सी वॉर कर रहे गुटों की बात की जाए या व्यापार की तो इसकी किसी पारदर्शी योजना का अब तक खुलासा नहीं हुआ है। साल के अंत में रूसी राष्ट्रपति की भारत यात्रा संभावित है। तब भी अमेरिका अपनी आक्रामकता पर काबू करने में विफल रहने वाला है। खुद को शांति दूत के तौर पर पेश करने की ट्रंप की तमाम कोशिशों को दुनिया भली-भांति देख रही है। भारत न सिर्फ विशाल बाजार है, बल्कि उसे अन्य मुल्कों के साथ साझीदारी/व्यापार करने से रोक पाना आसान नहीं है। उसे अपनी बढ़ती अर्थव्यवस्था की गति को स्थिर रखने और घरेलू दबावों के चलते अपने रुख पर कायम रहना होगा। ट्रंप की भभकी का असर अधिक इसलिए भी नहीं रह जाता क्योंकि वे अस्थिर व्यक्ति हैं। उनके बयानों/विचारों में ढुलमुलाहट के चलते घबराने की तनिक आवश्यकता नहीं है।

शिव के तांडव नृत्य का सिलसिला अभी भी जारी

प्रमोद भार्गव

भगवान भोले नाथ का गुस्सा प्रतीक रूप में मौत के तांडव नृत्य में फूटता है। देवभूमि उत्तराखंड में शिव के इस तांडव नृत्य का सिलसिला केदारनाथ में 2013 में आई प्राकृतिक आपदा के बाद से अभी भी जारी है। उत्तरकाशी जिले की खीर गंगा नदी और धराली में बादल फटने और हरसलि के तेलगाड़ नाले में बाढ़ आने से बड़ी तबाही हुई है। धराली में 50 से ज्यादा घर, 30 होटल और 30 होमस्टे मलबे में बदल गए। जो खीर नदी 10 मी. चौड़ी थी, वह जल प्रवाह से 39 मी. चौड़ी हो गई। अतएव जो भी सामने पड़ा उसे लीलती चली गई। प्रशासन चार लोगों की मौत और 100 से अधिक लोगों के लापता होना बता रहा है। लेकिन हिमालय के बीचोंबीच बसे खूबसूरत धराली गांव में सैलाब जैसे नीचे उतरते दिखा, उससे लगता है कि मौतें कहीं अधिक हुई हैं। पलय इतनी तीव्रता से आई कि उसकी कान के पर्दे फाड़ देने वाली गर्जना सुनने के बाद लोगों को बचने का समय ही नहीं मिल पाया। बादल फटना अनायास जरूर है, लेकिन ये करीब 10 किमी. व्यास की परिधि में फटने के बाद अति वृष्टि का कारण बनते हैं। 10 सेंमी. या उससे अधिक बारिश को बादल फटने की घटना के रूप में पारिभाषित किया जाता है। बादल फटने की घटना के दौरान किसी एक स्थान पर एक घंटे के भीतर उस क्षेत्र में होने वाली औसत वार्षिक वष्रा की 10 प्रतिशत से अधिक बारिश हो जाती है। मौसम विभाग वर्षा का पूर्वानुमान कई दिन या माह पहले लगा लेता है, लेकिन मौसम विज्ञानी बादल फटने जैसी बारिश का अनुमान नहीं लगा पाते। समृद्धि, उन्नति और वैज्ञानिक उपलब्धियों का चरम छू लेने के बावजूद प्रकृति का प्रकोप धरा के किस हिस्से के गर्भ से फूट पड़ेगा या आसमान से टूट पड़ेगा, यह जानने में हम अक्षम हैं। भूकंप की तो भनक भी नहीं लगती। जाहिर है, इसे रोकने का एक ही उपाय है कि विकास की जल्दबाजी में पर्यावरण की अनदेखी न करें। ध्यान रखें कि अंतत हमारी वर्तमान अर्थव्यस्था का मजबूत आधार अटूट प्राकृतिक संपदा और खेती ही हैं। लेकिन उत्तराखंड हो या प्राकृतिक संपदा से भरपूर अन्य प्रदेश उद्योगपतियों की लॉबी जीडीपी और विकास दर के नाम पर पर्यावरण संबंधी कठोर नीतियों को लचीला बना कर अपने हित साधने में लगी हैं। विकास का लॉलीपॉप प्रकृति से खिलवाड़ का कारण बन गया है। उत्तराखंड, उप्र से विभाजित होकर 9 नवम्बर, 2000 को अस्तिव में आया था। तेरह जिलों में बंटे इस छोटे राज्य की जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार 1 करोड़ 11 लाख है। 80 फीसद साक्षरता वाला यह प्रांत 53,566 वर्ग किमी. में फैला हुआ है। उत्तराखंड में भागीरथी, अलकनंदा, गंगा और यमुना जैसी बड़ी और पवित्र मानी जाने वाली नदियों के उद्गम स्थल हैं। इन नदियों के उद्गम स्थलों और किनारों पर पुराणों में दर्ज अनेक धार्मिक-सास्कृतिक स्थल हैं। इसलिए इस भूभाग को धर्म-ग्रंथों में देवभूमि कहा गया है। यहां के वनाच्छादित पहाड़ अनूठी जैव- विविधता के पर्याय हैं। तय है कि उत्तराखंड प्राकृतिक संपदाओं का खजाना है। इसी बेशकीमती भंडार को सत्ताधारियों और उद्योगपतियों की नजर लग गई है, जिसकी वजह से पलय जैसे प्रकोप बार-बार इस देवभूमि में बर्बादी की आपदा बरसा रहे हैं। उत्तराखंड की तबाही की इबारत टिहरी में गंगा नदी पर बने बड़े बांध के निर्माण के साथ ही लिख दी गई थी। बांध के निर्माण में विस्फोटकों के इस्तेमाल ने धरती के अंदरूनी पारिस्थितिकी तंत्र के ताने-बाने को खंडित कर दिया। विद्युत परियोजनाओं और सड़कों का जाल बिछाने के लिए भी धमाकों का अनवरत सिलसिला जारी रहा। अब यही काम रेल पथ के लिए सुरंगें बनाने में सामने आ रहा है। विस्फोटों से फैले मलबे को भी नदियों और हिमालयी झीलों में ढहा दिया जाता है। नतीजतन, नदियों का तल मलबे से भर गए हैं। परिणामस्वरूप इनकी जल ग्रहण क्षमता नष्ट हुई और जल प्रवाह बाधित हुआ। अतएव जब भी तेज बारिश आती है तो तुरंत बाढ़ में बदल कर विनाशलीला में तब्दील हो जाती है। बादल फटने के केदारनाथ और अब धराली जैसे परिणाम निकलते हैं। उत्तरकाशी, जोशीमठ में तो निरंतर बाढ़ और भू-स्खलन देखने में आ रहे हैं, इस क्षेत्र के सैकड़ों मकानों में भूमि धसकने से बड़ी-बड़ी दरारें आ गई हैं।

स्वतंत्रता दिवस : आज की चुनौतिया

– वासवी राजू बरडे, नागपूर, महाराष्ट्र

15 अगस्त 1947 का दिन भारतीय इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय है। इस दिन हमारे देश ने सैकड़ों वर्षों की गुलामी की बेड़ियों को तोड़कर स्वतंत्रता प्राप्त की थी। आज जब हम 78वां स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं, तो यह समय है कि हम न केवल अपनी उपलब्धियों को याद करें, बल्कि उन नई चुनौतियों पर भी विचार करें जिनसे आज का भारत जूझ रहा है। आज हमें एक नई स्वतंत्रता की आवश्यकता है – असमानता, भ्रष्टाचार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के हनन, शिक्षा की कमी, और जातिवाद से मुक्ति की।

असमानता से मुक्ति की आवश्यकता– स्वतंत्रता के 77 वर्षों बाद भी हमारे देश में आर्थिक और सामाजिक असमानता एक गंभीर समस्या बनी हुई है। गरीब और अमीर के बीच की खाई लगातार बढ़ती जा रही है। एक तरफ करोड़पति और अरबपति हैं, वहीं दूसरी तरफ करोड़ों लोग दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। महिलाओं को अभी भी समान अवसर नहीं मिल रहे हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच विकास की असमानता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। सच्ची स्वतंत्रता तभी आएगी जब हर नागरिक को समान अवसर मिलेंगे, जब मेहनत और योग्यता के आधार पर सफलता मिलेगी, न कि जन्म या वंश के आधार पर।

भ्रष्टाचार से आजादी– भ्रष्टाचार हमारे लोकतंत्र की जड़ों को खोखला कर रहा है। सरकारी कार्यालयों से लेकर न्यायपालिका तक, शिक्षा संस्थानों से लेकर स्वास्थ्य सेवाओं तक, भ्रष्टाचार की जड़ें फैली हुई हैं। यह न केवल देश की आर्थिक प्रगति में बाधक है, बल्कि आम नागरिकों के न्याय पाने के अधिकार को भी छीनता है।

एक भ्रष्टाचार मुक्त भारत ही वास्तविक स्वतंत्र भारत हो सकता है। इसके लिए न केवल कानूनी सुधार की आवश्यकता है, बल्कि नैतिक मूल्यों को फिर से स्थापित करने की भी जरूरत है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता– संविधान में दी गई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार लोकतंत्र का मूलभूत स्तंभ है। परंतु आज के समय में विभिन्न कारणों से इस अधिकार पर प्रहार हो रहे हैं। पत्रकारों, लेखकों, कलाकारों और आम नागरिकों को अपनी बात कहने के लिए डर का सामना करना पड़ रहा है।

सच्चा लोकतंत्र तभी फल-फूल सकता है जब हर व्यक्ति को बिना डर के अपनी बात कहने का अधिकार हो। विविधता में एकता भारत की संस्कृति है, और इसे बनाए रखने के लिए सभी विचारों का सम्मान आवश्यक है।

शिक्षा की स्वतंत्रता– शिक्षा मनुष्य की सबसे बड़ी मुक्ति है। परंतु आज भी करोड़ों बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित हैं। सरकारी स्कूलों की दुर्दशा, निजी स्कूलों की बढ़ती फीस, और तकनीकी शिक्षा तक पहुंच की कमी जैसी समस्याएं हैं।

शिक्षा का अधिकार केवल कागजों में न रहकर वास्तविकता बने, यही सच्ची शिक्षा की स्वतंत्रता होगी। हर बच्चे को, चाहे वह किसी भी जाति, धर्म या आर्थिक पृष्ठभूमि से हो, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अधिकार है।

जाति प्रथा से मुक्ति– 21वीं सदी में भी जाति प्रथा हमारे समाज की एक कड़वी सच्चाई है। छुआछूत, जातिगत भेदभाव, और सामाजिक बहिष्कार जैसी कुप्रथाएं अभी भी मौजूद हैं। यह न केवल संविधान के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है, बल्कि मानवता के लिए भी कलंक है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर ने कहा था, जाति प्रथा केवल श्रम का विभाजन नहीं है, बल्कि श्रमिकों का विभाजन है। सच्ची स्वतंत्रता तभी आएगी जब हमारा समाज जाति, धर्म, और वंश के आधार पर भेदभाव को पूर्णतः त्याग देगा।

आगे का रास्ता– इन चुनौतियों से निपटने के लिए हमें निम्नलिखित कदम उठाने होंगे:

शिक्षा में सुधार: हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचानी होगी। नैतिक मूल्यों और संवैधानिक सिद्धांतों को शिक्षा का अभिन्न अंग बनाना होगा।

कानूनी सुधार: भ्रष्टाचार और भेदभाव के खिलाफ सख्त कानून बनाने होंगे और उनका कठोरता से पालन करना होगा।

सामाजिक जागरूकता: मीडिया, गैर-सरकारी संगठनों और नागरिक समाज की भूमिका बढ़ानी होगी।

राजनीतिक इच्छाशक्ति: राजनीतिक नेतृत्व में ईमानदारी और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता है।

व्यक्तिगत जिम्मेदारी: हर नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और बदलाव की शुरुआत अपने आप से करनी होगी।

स्वतंत्रता दिवस केवल एक त्योहार नहीं है, बल्कि आत्म-चिंतन का दिन है। आज जब हम तिरंगा फहराते हैं, तो हमें यह प्रण लेना चाहिए कि हम एक ऐसे भारत का निर्माण करेंगे जहां हर नागरिक को सम्मान और समान अवसर मिले।

महात्मा गांधी ने कहा था, स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है। आज हमें कहना चाहिए, समानता, न्याय, और भाईचारा मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है।

आजादी का मतलब केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और नैतिक स्वतंत्रता भी है। जब तक हमारे समाज में असमानता, भ्रष्टाचार, और भेदभाव मौजूद है, तब तक हमारी आजादी अधूरी है।

आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम सभी मिलकर एक नए भारत का निर्माण करने का संकल्प लें – एक ऐसा भारत जो न केवल आर्थिक रूप से समृद्ध हो, बल्कि सामाजिक न्याय और मानवीय मूल्यों में भी अग्रणी हो। यही होगी वास्तविक स्वतंत्रता, और यही होगा हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों का भारत।

जय हिंद! जय भारत!

क्या पीएम नरेंद्र मोदी के सितंबर अमेरिकी दौरा से आपसी रिश्तों में जमी बर्फ कुछ पिघलेगी? समझिए मायने!

कमलेश पांडे

चाहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हों, या अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स, दोनों भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टफ नेगोशिएटर यानी कठोर वार्ताकार बताते आए हैं। इसका अभिप्राय एक ऐसे व्यक्ति से होता है जो बातचीत में आसानी से हार नहीं मानता, अपनी बात पर दृढ़ रहता है और समझौते पर पहुंचने के लिए आसानी से झुकता नहीं है। जब-जब मैं उन दोनों नेताओं के मुख से टंप नेगोशिएटर शब्द सुनता हूँ तो महसूस करता हूँ कि आखिर इन अमेरिकियों के मन में चल क्या रहा है?

लेकिन अब उन बातों का जवाब मिल चुका है। वह यह कि अमेरिका को चीन के मुकाबले एक मजबूत भारत नहीं, बल्कि पिछलग्गू भारत की जरूरत है। वहीं, भारत विरोधी पाकिस्तान व बांग्लादेश को पुनः भड़काकर अमेरिकी नेताओं ने मित्रता की आड़ में जो शत्रुतापूर्ण चालें चलीं हैं, उसके भी सही जवाब का उन्हें इंतजार करना होगा, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी आजतक किसी के चतुराई भरे व्यवहार या दुर्व्यवहार को कभी भूलते नहीं हैं और उचित वक्त आने पर सूद समेत ऐसा वापस करते हैं, जिसे दिग्गज नेता व उद्योगपति ज्यादा समझते हैं। उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह अच्छा लग रहा है या बुरा।

दरअसल, यह बात मैं इसलिए कर रहा हूँ कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी सितंबर माह में संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित करने के लिए मित्र से शत्रु बनते जा रहे देश अमेरिका का अहम दौरा कर सकते हैं। पीएम नरेंद्र मोदी की संभावित अमेरिका यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक ऐसे समय में हो रही है जब हाल के महीनों में भारत और अमेरिका के बीच संबंध प्रभावित हुए हैं। पहले इन सम्बन्धों पर रूस-यूक्रेन की वक्र दृष्टि पड़ी और फिर भारत-पाक सीमित संघर्ष और इजरायल-ईरान युद्ध की। भारत-चीन की आंखमिचौली की बात अलग है।

गौरतलब है ऐसा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जब ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम कराने का दावा किया तो नई दिल्ली ने उनके इस दावे का खंडन कर दिया। वहीं रूस-चीन से सीधी शत्रुता मोल नहीं ली। वहीं, गुटनिरपेक्ष भारत ने ग्लोबल साउथ को जो नेतृत्व दिया उससे भी विकसित देश चिढ़े हुए हैं। लिहाजा, सुलगता हुआ सवाल है कि क्या पीएम नरेंद्र मोदी के संभावित सितंबर अमेरिकी दौरा से आपसी रिश्तों में जमी बर्फ कुछ पिघलेगी? यदि हां तो फिर क्या इसके मायने दोनों पक्षों के लिए हितकारी साबित होंगे?

उससे भी बड़ा सवाल यह है कि आखिर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अपने नवोदित पार्टनर भारत और पीएम मोदी के पीछे हाथ धोकर क्यों पड़े हुए हैं? आखिर वो क्या वजह है कि अमेरिका, अपने वैश्विक प्रतिस्पर्धी चीन का घोर विरोधी होने के बावजूद भी उसे अब नजरअंदाज कर रहा है, जबकि पहले सीधे टारगेट पर लिया करता था? यक्ष प्रश्न है कि भारत का नया करीबी पार्टनर होने के बावजूद अमेरिका उसे आंख पर आंख क्यों दिखाता जा रहा है! क्या भारत के साथ जारी टैरिफयुद्ध सिर्फव्यापार तक सीमित है या फिर इसका अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक एजेंडा कुछ और है?

इस लिहाज से प्रासंगिक सवाल है कि क्या ट्रंप सरकार भारत के साथ अपने संबंधों में तनाव बढ़ाकर एक बड़ी वैश्विक भूल कर रही है? या फिर यूरोपीय संघ के देशों, पाकिस्तान और चीन को पुनः पटाने के लिए वह अपने पुराने ढर्रे पर जा रहा है? समझा जाता है कि इन सभी सवालों के उत्तर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सितंबर अमेरिका यात्रा से मिल सकती है। क्योंकि उन्हें 21 वीं सदी का एशियाई बिस्मार्क समझा जाता है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्सकी के मुताबिक, यहीं पर उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री मोदी से होगी, जैसा कि पीएम मोदी ने उन्हें आश्वस्त किया है।

समझा जाता है कि भारतीय विदेश नीति की परिपक्वता से 'खूनी कारोबारी' के रूप में मशहूर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के युद्धोन्मादी एशियाई सपने धरे के धरे रह गए हैं। इसलिए ट्रंप बौखलाए हुए हैं। तभी तो उन्होंने पिछले महीने भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ लगाया। इसके साथ ही रूसी तेल के आयात पर 25 फीसदी अतिरिक्त जुर्माना टैरिफ लगाकर इसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया। जबकि भारत सरकार ने कहा है कि टैरिफके मुद्दे पर दोनों देशों की ओर से कई मुद्दों/मोर्चों पर बातचीत चल रही है। लिहाजा, मोदी के अमेरिका दौरे का मुख्य उद्देश्य ट्रंप से व्यापार मुद्दों पर चर्चा करना और टैरिफसमझौता करना हो सकता है।

यह भी अजीबोगरीब बात है कि भारत के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी देश अमेरिका-चीन की यात्रा प्रधानमंत्री मोदी इसी अगस्त/सितंबर माह में करने वाले हैं, जो उनका जन्म माह भी है। इसलिए करिश्माई परिणाम की उम्मीद रखी जा सकती है। वहीं, मित्र देश रूस के राष्ट्रपति नवंबर-दिसंबर में भारत आएंगे। जबकि भारत के विदेशमंत्री एस जयशंकर 21 अगस्त को रूस में अपने समकक्ष से कूटनीतिक व रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने की बात करेंगे। वहीं, अक्टूबर में क्वाड सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंपके भी भारत आने का कार्यक्रम है, लेकिन उनके बदलते वैश्विक रुख के चलते यह मामला आगे बढ़ेगा या खटाई में पड़ेगा, गुज़श्ता वक्त बताएगा।

उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) का 80वां सत्र 9 सितंबर को शुरू होगा। जिसके बाद उच्च स्तरीय सामान्य बहस 23-29 सितंबर तक चलेगी, जिसमें ब्राजील सत्र का पारंपरिक पहला वक्ता होगा, उसके बाद अमेरिका होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 23 सितंबर को प्रतिष्ठित यूएनजीए मंच से विश्व के नेताओं को संबोधित करेंगे। यह व्हाइट हाउस में उनके दूसरे कार्यकाल में संयुक्त राष्ट्र सत्र में उनका पहला संबोधन होगा। जबकि, भारत के शासन प्रमुख पीएम नरेंद्र मोदी 26 सितंबर की सुबह सत्र को संबोधित करेंगे।

बताया जाता है कि इसी दिन इजरायल, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के राष्ट्राध्यक्ष यानी पीएम और राष्ट्रपति का भी यूएनजीए की आम बहस को संबोधित करने का कार्यक्रम है। ततपश्चात इसका समापन 29 सितंबर को होगा। बता दें कि यह वार्षिक बैठक वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और समाधानों पर सहयोग करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के सभी 193 सदस्य देशों के नेताओं को एक साथ लाती है। बताया जाता है कि इसी अमेरिकी यात्रा के दौरान उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्सकी से मुलाकात की संभावना है, जिसके बाद दोनों देशों के नेताओं के बीच अलग-अलग समयों पर व्यापार मुद्दों और युद्ध रोकवाने पर बातचीत हो सकती है। इस बातचीत में अमेरिकी टैरिफको लेकर पारस्परिक सहमति बनाने पर भी जोर रहेगा। बता दें कि नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की आखिरी मुलाकात फरवरी 2025 में हुई थी जब भारतीय प्रधानमंत्री अमेरिका गए थे। रिपोर्टों के अनुसार, पीएम मोदी की यात्रा की तैयारियां चल रही हैं और अगस्त के अंत तक इसे अंतिम रूप दिया जा सकता है।

गौरतलब है कि अपनी पिछली द्विपक्षीय बैठक के बाद जारी एक संयुक्त बयान में, पीएम मोदी और ट्रंप ने 2025 के अंत तक पारस्परिक रूप से दोनों के लिए फायदेमंद, बहु-क्षेत्र द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की पहली किश्त पर बातचीत करने की योजना की घोषणा की थी। लेकिन व्यापार वार्ता के बीच ही ट्रंप ने भारत पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया, जिसमें नई दिल्ली की रूसी तेल की खरीद के लिए 25 प्रतिशत भी शामिल था, जो 27 अगस्त से लागू होगा। वहीं, पिछले सप्ताह ट्रंप के कार्यकारी आदेश में 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और भारत के प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए छठे दौर की वार्ता के लिए अमेरिका की एक टीम 25 अगस्त से भारत का दौरा करने वाली है। दोनों देश इस साल अक्टूबर-नवंबर तक समझौते के पहले चरण को समाप्त करने का लक्ष्य बना रहे हैं।

लिहाजा, इस टैरिफ पर प्रतिक्रिया देते हुए भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि उनके देश को निशाना बनाना अनुचित है। किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तरह, भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा। दरअसल, भारत सरकार का कहना है कि हम इन मुद्दों पर पहले ही अमेरिका से अपना रुख स्पष्ट कर चुके हैं। इनमें यह तथ्य शामिल है कि हमारा आयात बाजार की परिस्थितियों पर आधारित है। इसका मकसद भारत की एक अरब 40 करोड़ आबादी की ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करना है।

यही वजह है कि भारत ने अमेरिका के इस टैरिफ सम्बन्धी फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण और तर्कहीन करार दिया। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी साफ-साफ कहा है कि टैरिफके मसले पर भारत अपने हितों के साथ कतई समझौता नहीं करेगा। वहीं, भारत के अलावा चीन भी रूस का बड़ा व्यापारिक साझेदार है। चीन भारत के मुकाबले करीब दोगुना रूसी तेल का आयात करता है। फिर भी अमेरिका ने चीन को 90 दिनों की मोहलत दे दी है। लिहाजा, हम इसका भी कारण समझेंगे, लेकिन पहले समझते हैं टैरिफ के कारण भारत को क्या नुकसान उठाना पड़ सकता है।

ऐसे में सवाल है कि आखिर में भारत, अमेरिकी शर्तें क्यों नहीं मान रहा है? तो इसका स्पष्ट जवाब होगा कि ट्रम्प ने लंबे समय से भारत को टैरिफकिंग करार दिया है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अनुसार, 2024 में 45.8 अरब डॉलर के भारी अमेरिकी माल व्यापार घाटे का सबूत देते हैं, जिससे अर्थव्यवस्था से जुड़े संवेदनशील क्षेत्रों पर वार्ता बार-बार लड़खड़ा गई। ऐसा इसलिए कि भारत ने कृषि और डेयरी उत्पादों पर टैरिफमें कटौती करने से इनकार कर दिया है। ऐसे में पूरक सवाल यह है कि क्या भारत से रिश्ते खराब करना ट्रंप के लिए बड़ी कूटनीतिक भूल साबित होगी? तो इसका जवाब यही होगा कि भारत के खिलाफ अमेरिकी कार्रवाई बिना सोचे-समझे लिया गया फैसला प्रतीत होता है। ट्रंपइसके लिए बदनाम भी रहे हैं। इसलिए विशेषज्ञ बताते हैं कि इस टैरिफबढ़ोतरी का एकमात्र उद्देश्य एक मनोनुकूल राजनीतिक एजेंडा सेट करना है, जो अंतरराष्ट्रीय पैमाने पर लड़खड़ाए अमेरिका की अब प्राथमिक ज़रूरत बन चुकी है। इसलिए आशंका है कि मौजूदा दंडात्मक शुल्क दोनों देशों के बीच विगत 25-30 वर्षों की कड़ी मेहनत से बनाए गए विश्वास और सहयोग को कहीं खतरे में नहीं डाल दें।

संक्षिप्त समाचार

27 अगस्त तक कर सकेंगे नवोदय कक्षा 6वीं प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीयन

डोंगरगढ़। पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ में कक्षा 6वीं प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीयन का अंतिम अवसर मिल रहा है। अब 27 अगस्त तक राजनांदगांव, मानपुर-मोहला-अंबागढ़ चौकी और खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के सभी कक्षा 5वीं में पढ़ रहे बच्चे निशुल्क पंजीयन करा सकेंगे। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य संजय कुमार मंडल ने सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों से अपील की है कि कक्षा 5वीं के हर विद्यार्थी का पंजीयन सुनिश्चित कराएं, ताकि सभी को इस प्रतियोगी परीक्षा में हिस्सा लेने का मौका मिले।

राजनांदगांव नवोदय विद्यालय अपनी खास पहचान रखता है। यहां सभी कक्षाओं में एलईडी स्क्रीन, स्मार्ट बोर्ड और नई पद्धति से आधुनिक शिक्षा दी जाती है। विद्यालय का दिलराज रामानुज गणित पार्क देशभर में मशहूर है। यहां न सिर्फ नवोदय के, बल्कि अन्य स्कूलों के बच्चे भी मॉडल के जरिए नई तकनीक सीखने आते हैं।

परीक्षा 13 दिसंबर को तीनों जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों के मार्गदर्शन में होगी। परीक्षा प्रभारी कृष्ण कुमार और सहायक प्रभारी अनिल कुमार पाल हैं। पंजीयन से जुड़ी किसी भी समस्या के लिए विद्यालय से सीधे संपर्क किया जा सकता है।

विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि यह परीक्षा बच्चों में प्रतियोगिता की भावना जगाने और उन्हें आगे बढ़ाने का सुनहरा अवसर है।

निधन : कमला विश्वेश्वर बेलसरे

दुर्ग। आमापारा निवासी श्रीमती कमला विश्वेश्वर बेलसरे 84 वर्ष का गुरुवार को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 15 अगस्त, शुक्रवार को सुबह 10 बजे निवास स्थान से शिवनाथ नदी मुक्तिधाम के लिए रवाना होगी। वे विजय एवं राजेश बेलसरे (न्यू भोले टी हाउस वाले) की माताजी थी।

निधन : श्रीमती कृष्णा दीक्षित

दुर्ग। सिंधिया नगर हनुमान नगर निवासी श्रीमती कृष्णा दीक्षित 86 वर्ष का गुरुवार को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 15 अगस्त, शुक्रवार को दोपहर 4:30 बजे शिवनाथ नदी मुक्तिधाम के लिए रवाना होगी। वे पंडित गोविंद माधव दीक्षित की पत्नी, नीरज दीक्षित की माताजी और रामकृष्ण दीक्षित की भाभी थी।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अण्डा सर्कल जिला दुर्ग

//उद्घोषणा//

रा.प्र.क्र.202506101200002/ अ-21/वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि रा.प्र.क्र.202506101200002/अ-21/वर्ष 2024-25 आवेदिका बेना बाई आ. गौर सिंह पति राजूलाल, निवासी वार्ड क्र. 5, गयानगर दुर्ग के द्वारा मौजा ग्राम कोनारी प.ह.न. 35 रा.नि.म. अण्डा तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 406 एवं 398 रकबा 0.46, 0.23 हे. अंकलहीन पति स्व. पिताम्बर लाल कय किया। जिसमें से एक कृषि भूमि खसरा नंबर 406 रकबा 0.46 को अपने पुत्री के विवाह एवं मकान निर्माण हेतु गैर आवदिवासी के पास बिक्री करने के अनुमति हेतु आवेदन कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है जो जांच एवं प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत दिनांक 28/08/2025 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 11/08/2025 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया ।

जारी दिनांक-11/08/2025
सुनवाई दिनांक- 28/08/2025

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
अण्डा, जिला दुर्ग

तिरंगे के रंग में रंगा भाटापारा – भव्य तिरंगा यात्रा से गूंजा राष्ट्रप्रेम

आजादी के अमर पर्व स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत भाटापारा में आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा ने नगर को राष्ट्रभक्ति और एकता के रंग में सराबोर कर दिया।

नगर पालिका परिषद भवन से प्रारंभ हुई यह यात्रा मलगली, थाना, गोविंद चौक, रॉयल इन, हटरी बाजार, गोविंद चौक, रामसत्ता चौक, जयस्तंभ चौक, फखर चौक से होती हुई बाल मंदिर में संपन्न हुई। पूरे मार्ग पर देशभक्ति के नारों की गूंज, तिरंगे की शान और जन-जन के उत्साह ने वातावरण को गौरवपूर्ण बना दिया।

इस ऐतिहासिक अवसर पर पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा , नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा , सभी पार्षदगण एवं नगर के सम्मानित नागरिकगण की गरिमामयी उपस्थिति रही।

पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने अपने संबोधन में कहा -स्वतंत्रता दिवस हमें उन वीरों के बलिदान की याद दिलाता है, जिन्होंने अपना सर्वस्व देश के लिए न्यौछावर किया। तिरंगा यात्रा देश की एकता, अखंडता और गौरव का संदेश देती है।

नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा -तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि यह हमारी अस्मिता, एकता और बलिदान का अमर प्रतीक है। हर घर पर तिरंगा फहराकर हम आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा दे सकते हैं।

यात्रा के दौरान हर घर तिरंगा अभियान के तहत घरों एवं वीर सैनिकों के सम्मानार्थ नगर की दुकानों में झंडा वितरण कर लगाने की विशेष पहल की गई, जिसे नगरवासियों ने बड़े उत्साह के साथ अपनाया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक बलौदा बाज़ार प्रमोद शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष आनंद यादव, नगर पालिका उपाध्यक्ष दिलीप छाबड़िया,जिला महामंत्री राकेश तिवारी, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सुनील यदु, भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अविनाश शर्मा, युवा मोर्चा अध्यक्ष आशीष टोडर, सभापति मनीष मिश्रा, कुंजराम कोशले, गोविंद पटेल, नगर पालिका अधिकारी जफ़र ख़ान, पार्षद नंदू वैष्णव, सतीश साहू, प्रतीश राठौर, श्रेणिक गोलछा, भुवन सिंह ठाकुर, बब्बू मन्धन, उमाशंकर वर्मा, मोंटू ध्रुव, बंटी टंडन, मंडल अध्यक्ष योगेश अनंत, दशरथ साहू, देवेंद्र साहू, लिकेश साहू, राजेश साहू, गोवर्धन डहरिया, शुभम राजपूत, प्रकाश ठाकुर, मनीष पंजवानी, गोकुल फाउंडेशन अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, अमित सिंह, देवेश पांडे, व्यास यदु, सुरेंद्र दागोर, पीयूष साहू, महाबल बघेल, जिला पंचायत सदस्य ईशान वैष्णव, पूर्व मंडल अध्यक्ष मनेन्दर सिंह गुंबर, लालू मानिकपुरी, हारून ख़ान, जयसंत, संजय शुक्ला, महिला मोर्चा नीरा साहू, आयशा ख़ान, अंजनी जायसवाल, शकुन ध्रुव, रागिनी डौंडे सहित नागरिकगण उपस्थित रहे। तिरंगे का मान और वतन की मिट्टी की सुगंध हमारे हृदय में सदैव अटूट गर्व और प्रेरणा का संचार करती रहेगी।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर तिरंगा दौड़

महासमुन्द (समय दर्शन)। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व 14 अगस्त को जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग महासमुंद के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार सुबह मिनी स्टेडियम महासमुंद से स्वतंत्रता दौड़ / तिरंगा दौड़ एवं स्वच्छता दौड़ का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, नगर पालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी एवं श्री येतराम साहू ने हरी झंडी दिखाकर किया।

दौड़ में स्कूली बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों, खेल संघ, एनसीसी, स्काउट एंड गाइड, एनएसएस, रेड क्रॉस, पुलिस बल, वन विभाग और मीडिया प्रतिनिधियों सहित 900 से अधिक प्रतिभागियों ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक भाग लिया।

तिरंगा दौड़ मिनी स्टेडियम से प्रारंभ होकर बरोंडा चौक, शास्त्री चौक, सतबहनीया चौक, गांधी चौक, नेहरू चौक होते हुए पुनः मिनी स्टेडियम में संपन्न हुई, जहां प्रतिभागियों ने देशभक्ति के नारों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। इस अवसर पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने कहा कि तिरंगा हमारी एकता, अखंडता और बलिदान का प्रतीक है। आज की यह दौड़ केवल खेल का आयोजन नहीं, बल्कि हमारे दिलों में देश के प्रति सम्मान और स्वच्छता के संकल्प को मजबूत करने का एक प्रयास है।

स्काउट गाइड संघ के जिलाध्यक्ष येतराम साहू ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लेने का दिन है। तिरंगा दौड़ ने नगर में देशभक्ति की अलख जगा दी है।दौड़ के समापन पर कलेक्टर श्री लंगेह ने सभी प्रतिभागियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। आयोजन को सफल बनाने में वन, शिक्षा, पुलिस, स्वास्थ्य, पीएचई, नगर पालिका, खेल संघ, एनसीसी, स्काउट एंड गाइड एवं विभिन्न विभागों का सहयोग रहा।

कार्यक्रम में पार्षद मनीष शर्मा,पीयूष साहू, महेंद्र सिक्का, आनंद साहू,राहुल चंद्राकर ,पंकज चंद्राकर, सीईओ जिला पंचायत हेमंत रमेश नंदनवार, अपर कलेक्टर सचिन भूतड़ा, एसडीएम हरिशंकर पैकरा,जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे, डीएमसी रेखराज शर्मा सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इस आयोजन में अंजली बरमाल, हिना ढालेन, सेवन दास मानिकपुरी, भीषम माण्डले, अंजनी साहू, छन्नू साहू, इमरान अली, सोनिया बांधे, लता वैष्णव, तुलेंद्र सागर का विशेष सहयोग रहा।

स्वतंत्रता दिवस पर होगा जीवनदान का महापर्व

फुलझर ब्लड फाउंडेशन छत्तीसगढ़ का अभिनव प्रयास

बसना (समय दर्शन)। हम आज़ादी का 78वां पर्व मना रहे हैं, लेकिन असली आज़ादी तभी है जब हम किसी ज़रूरतमंद को जीवन का तोहफ़ा दें। इसी उद्देश्य के साथ फुलझर ब्लड फाउंडेशन छत्तीसगढ़ 15 अगस्त के पावन अवसर पर रक्तदान-महादान स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन कर रहा है।
इस शिविर में एक-एक बूंद रक्त किसी की जिंदगी में नई सुबह ला सकती है। डॉक्टरों के अनुसार, एक यूनिट रक्त से तीन मरीजों की जान बचाई जा सकती है ङ्क सोचिए, आपका एक छोटा-सा योगदान कितनी बड़ी उम्मीद बन सकता है।

रक्तदान की विशेषताएं और फायदे- दिया गया रक्त फुलझर अंचल, सरायपाली, बसना ब्लड बैंक में सुरक्षित रखा जाएगा।

रक्तदाता को आधिकारिक प्रमाण पत्र दिया जाएगा, जिससे भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर आपके या आपके परिचित के लिए रक्त उपलब्ध कराया जाएगा।

रक्तदान से किसी प्रकार की कमजोरी नहीं आती, बल्कि यह शरीर में नए रक्त कोशिकाओं के निर्माण को बढ़ावा देता है।

यह सेवा किसी जाति, धर्म या वर्ग की सीमा से परे है — यह शुद्ध मानवीय कर्तव्य है।

आयोजन का उद्देश्य- देश में हर साल लाखों लोग समय पर रक्त न मिलने के कारण संकट में पड़ जाते हैं। कई बार दुर्घटनाएं, ऑपरेशन, या गर्भवती महिलाओं को डिलीवरी के दौरान तुरंत रक्त की आवश्यकता होती है। फुलझर ब्लड फाउंडेशन का उद्देश्य है कि हमारे क्षेत्र में किसी को भी खून के अभाव में अपनी जान न गंवानी पड़े।

आयोजकों की अपील- फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने कहा - रक्तदान महादान है, यह सबसे पवित्र सेवा है। आइए, इस स्वतंत्रता दिवस को केवल झंडारोहण तक सीमित न रखें, बल्कि इसे मानवता की सेवा के साथ मनाएं।

संपर्क सूत्र
शुभम साहू - 9907094441
खीरसागर पटेल - 9669417444
तरुण बारिक - 8319050105
सुनील नायक - 7089025980
आयोजक: फुलझर ब्लड फाउंडेशन, छत्तीसगढ़
ब्लड सेंटर: सक्षम ब्लड सेंटर, बसना
15 अगस्त को आएं, रक्तदान करें और अपने जीवन को भी गर्व से भरें
क्योंकि किसी की मुस्कान का कारण बनना ही असली देशभक्ति है।

बारिश में भी मतदाताओं का जोश, बीटीओए चुनाव में मनोज सिंह बने अध्यक्ष, आकाश गोयल सचिव

बी रामु दंतेवाड़ा किरंदुल: बैलाडीला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन (बीटीओए) के वार्षिक चुनाव में बुधवार को किरंदुल में भारी बारिश के बावजूद मतदाताओं का उत्साह कम नहीं हुआ। 995 सदस्यों वाले इस संगठन के 911 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग कर अपने पसंदीदा प्रत्याशियों को चुना। देर रात तक चली मतगणना के बाद मनोज सिंह को अध्यक्ष और आकाश गोयल को सचिव घोषित किया गया। समर्थक भारी बारिश में भी अपने प्रत्याशियों की जीत का इंतजार करते रहे और जीत की घोषणा के बाद उत्साह में झूम उठे।

बता दे चुनाव में दो पैनल आमने-सामने थे, जिसमें 15 प्रत्याशियों ने अपनी किस्मत आजमाई। मतगणना के पहले दौर से ही मनोज सिंह के आगे रहे। मनोज सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी उमेश सिंह को 161 वोटों से हराकर अध्यक्ष पद हासिल किया। आकाश गोयल ने सचिव पद पर अपने प्रतिद्वंदी को 23 वोटों से परास्त किया। उपाध्यक्ष पद पर विजयंत गौतम विजयी व राहुल असरानी रहे, जबकि मनीष कुमार नायक ने कोषाध्यक्ष पद पर 45 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। सह-सचिव के रूप में विश्वजीत सरकार और वैभव गौरांग साहा चुने गए। बीटीओए का यह चुनाव दंतेवाड़ा में विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह संगठन लौह अयस्क परिवहन से जुड़े ट्रक मालिकों और उनके कर्मचारियों की आजीविका का आधार है। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने वादा किया कि वे ट्रक मालिकों के हितों की रक्षा करेंगे और क्षेत्र में जनहित के कार्यों को बढ़ावा देंगे।

कार्यालय कलेक्टर, दुर्ग (छ.ग.)
आदिवासी विकास शाखा

फैक्स नं. 0788-2323655, ई-मेल- actwd.durg@gmail.com

क्रमांक/643/आ.जा.क./6/प्रयास/न.क्र./ 2025 — दुर्ग, दिनांक 12.08.2025

संक्षिप्त विज्ञप्ति

प्रयास बालक/ कन्या आवासीय विद्यालय दुर्ग एवं प्रयास बालक/ कन्या आवासीय विद्यालय पिनकापार जिला बालोद के कक्षा 11वीं में Lateral Entry के माध्यम से प्रवेश हेतु सूचना का प्रकाशन (सत्र 2025-26)

प्रयास आवासीय विद्यालय योजना छत्तीसगढ़ शासन की एक महत्वाकांक्षी योजना है. इस योजना का उद्देश्य नक्सल प्रभावित घोषित जिले एवं आदिवासी उपयोजना क्षेत्र में स्थित शासकीय/ अशासकीय शालाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों को उत्कृष्ठ शिक्षा प्रदान करते हुए विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश हेतु प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने हेतु प्रारंभ से ही विशेष कोचिंग के माध्यम से तैयार कर सक्षम बनाया जाना है. इन प्रयास आवासीय विद्यालयों से प्रत्येक वर्ष काफी मात्रा में विद्यार्थी चयनित होकर उच्च संस्थानों में प्रवेशित होते हैं. प्रयास आवासीय विद्यालय में रिक्त सीट की जानकारी निम्नानुसार है :-

क्र.	प्रयास विद्यालय	संकाय	अजजा		पीवीटीजी		अजा		अपिव		सामान्य		अल्पसंख्यक		योग		कुल योग
			बालक	कन्या	बालक	कन्या	बालक	कन्या	बालक	कन्या	बालक	कन्या	बालक	कन्या	बालक	कन्या	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
1	प्रयास बालक एवं कन्या आवासीय विद्यालय दुर्ग	बालक के लिए जीवविज्ञान तथा कन्या के लिए गणित संकाय निर्धारित है.	0	0	0	0	2	2	4	1	2	1	0	0	8	4	12
2	प्रयास बालक एवं कन्या आवासीय विद्यालय पिनकापार	गणित/ जीवविज्ञान	0	0	0	0	4	0	4	0	4	3	0	0	12	3	15

क्र.	प्रयास विद्यालय	संकाय	अनुसूचित जाति बालक	कुल योग
1	2	3	4	5
1	प्रयास (अजा) बालक आवासीय विद्यालय पाटन जिला दुर्ग	गणित/ जीवविज्ञान	48	48

इन रिक्त सीटों पर प्रवेश प्राक्चयन परीक्षा के माध्यम से होगा. प्रश्न पत्र कक्षा 10वीं स्तर का होगा. परीक्षा में शामिल होने हेतु कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में न्यूनतम 60% अंक या समकक्ष ग्रेड से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है, साथ ही प्रदेश के संपूर्ण अनुसूचित क्षेत्र में स्थित शासकीय/ अशासकीय शालाओं से कक्षा 10वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी हो.

प्रवेश के संबंध में ऑफलाईन आवेदन पत्र प्रस्तुत करने हेतु महत्वपूर्ण तिथियां निम्नानुसार है:-

क्र.	विवरण	तिथि एवं समय
1	ऑफलाईन आवेदन पत्र भरने की प्रारंभ तिथि	13.08.2025
2	ऑफलाईन आवेदन पत्र भर कर जमा करने की अंतिम तिथि	19.08.2025 (शाम 5:00 बजे तक)
3	प्राप्त आवेदन के पात्र/ अपात्र की सूची का प्रकाशन	21.08.2025 (शाम 5:00 बजे तक)
4	प्रवेश पत्र जारी होने की तिथि	22.08.2025
5	प्रवेश हेतु प्राक्चयन परीक्षा की तिथि	24.08.2025 दिन रविवार (प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक)
6	परीक्षा परिणाम घोषित होने की तिथि	25.08.2025

1. आवेदक आवेदन का प्रारूप दिनांक 19.08.2025 तक प्रयास आवासीय विद्यालय मालवीय नगर चौक दुर्ग से प्राप्त कर सकते है तथा जिला दुर्ग की वेबसाईट https://durg.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है.
2. आवेदक को निर्धारित प्रारूप में ही आवेदन दिनांक 19.08.2025 सायं 05:00 बजे तक प्रयास आवासीय विद्यालय मालवीय नगर चौक दुर्ग में पंजीकृत डाक अथवा स्वयं उपस्थित होकर जमा करना होगा. निर्धारित तिथि एवं समय समाप्ति पश्चात् आवेदन स्वीकार नहीं किया जावेगा.
3. दिनांक 20.08.2025 को पात्र/ अपात्र की सूची जिला दुर्ग की वेबसाईट https://durg.gov.in पर देखा जा सकता है.
4. दिनांक 21.08.2025 को प्रवेश पत्र जिला दुर्ग वेबसाईट https://durg.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है या प्रयास आवासीय विद्यालय मालवीय नगर चौक दुर्ग में उपस्थित होकर प्राप्त किया जा सकता है. डाक से प्रवेश पत्र प्रेषित नहीं किया जावेगा.
5. दिनांक 25.08.2025 को परीक्षा परिणाम/ मेरिट सूची जिला दुर्ग वेबसाईट https://durg.gov.in में प्रदर्शित किया जावेगा. काउंसलिंग हेतु दूरभाष पर सूचना प्रदाय किया जावेगा.

G-252602780/1

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास, दुर्ग

श्यामपुर कांपा स्कूल में बांटी टाई व बेल्ट

साजा (समय दर्शन)। थानखम्हरिया समीपस्थ शासकीय प्राथमिक शाला श्यामपुर कांपा के प्रधान पाठक चोवाराम साहू ने अपने खर्च से बच्चों को टाई व बेल्ट प्रदान किया। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक चोवाराम साहू जनसेवा की भावना से प्रेरित होकर बच्चों मे एकरुपता की सोच लेकर शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला के सभी 160 बच्चों को स्वयं के व्यय से टाई एवं बेल्ट बांटे। इस अवसर पर प्राथमिक शाला एवं पूर्व माध्यमिक शाला के सभी बच्चे एवं शिक्षक गण उपस्थित रहे। सभी बच्चों के टाई एवं बेल्ट मिलने पर उत्साहित रहे । सभी पालक प्रधान पाठक चोवाराम साहू की जन सेवा भावना की प्रशंसा की । ग्रामीण एवं समाज ने कहा कि इस तरह की जनसेवा हर एक नागरिक में विद्यमान हो जिससे जरूरतमंदों को कोई भी चीज के लिए समस्याएं ना हो ।

एन एच पी सी लिमिटेड
(भारत सरकार का एक नवरत्न उद्यम)
हरित ऊर्जा में निहित शक्ति
पंजी. कार्या.: एनएचपीसी कार्यालय परिसर, सेक्टर–33, फरीदाबाद–121003 (हरियाणा)
CIN No.-L40101HR1975GOI032564
Advertisement No: NH/Rectt./FTB/04/2025-26

अपने जुनून की खोज करें .... हमारे साथ अपना करियर बनाएं

निर्धारित अवधि (Fixed Tenure) के आधार पर अनुभवी चिकित्सा अधिकारी/फील्ड इंजीनियरों की भर्ती

एनएचपीसी लिमिटेड (भारत सरकार का नवरत्न उद्यम) भारत में सबसे बड़ा जलविद्युत विकास संगठन है, जिसमें जलविद्युत परियोजनाओं की संकल्पना से लेकर कमीशनिंग तक सभी गतिविधियों को करने की क्षमता है। एनएचपीसी ने सौर और पवन ऊर्जा विकास आदि के क्षेत्र में भी विविधता लाई है। कंपनी के बेहतर अवलोकन के लिए, हमारी वेबसाइट www.nhpcindia.com पर आपका हमेशा स्वागत है

एनएचपीसी लिमिटेड इच्छुक और योग्य अनुभवी चिकित्सा पेशेवरों/फील्ड इंजीनियरों से 01 वर्ष की अवधि के लिए निश्चित कार्यकाल के आधार पर आवेदन आमंत्रित करता है, जिसमें नीति के अनुसार अतिरिक्त 02 वर्षों तक वार्षिक आधार पर विस्तार का प्रावधान है। रिक्तियों और आरक्षण आवश्यकताओं का विवरण इस प्रकार है:

क्र. सं.	तैनाती स्थान	पदनाम	पदों की संख्या
1	दिबांग बहुउद्देशीय परियोजना, रोइंग, अरुणाचल प्रदेश	फील्ड इंजीनियर (सिविल)	06
2		फील्ड इंजीनियर (विधुत)	02
3	रंगित पावर स्टेशन, रंगीत नगर, दक्षिण सिक्किम सिक्किम	मेडिकल अधिकारी	01
		Total	09

अभ्यर्थी एनएचपीसी की वेबसाइट https://www.nhpcindia.com के "करियर" सेक्शन पर जाकर पद और श्रेणी के अनुसार रिक्तियों की स्थिति, पात्रता शर्तों एवं ऑनलाइन आवेदन भरने संबंधी अनुदेशों के साथ विस्तृत विज्ञापन देख सकते हैं। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम में ही स्वीकार किए जाएंगे।

CBC : 34128/12/0004/2526

ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने की प्रारंभ तारीख : 18.08.2025 (प्रात: 10:00 बजे)
ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख : 08.09.2025 (साँय 05:00 बजे)

@nhpcltd @NHPCIndiaLimited nhpclimited NHPC Limited NHPC Limited

cbc34128/12/0004/2526

स्वतंत्रता दिवस के पूर्व बेमेतरा में दौड़ी स्वतंत्रता की लहर

बेमेतरा (समय दर्शन)। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व प्रात: बेमेतरा ज़िला मुख्यालय का माहौल देशभक्ति की भावना से सराबोर रहा, जब शहर की सड़कों पर स्वतंत्रता और एकता का संदेश लेकर स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर जनप्रतिनिधियों से लेकर विद्यार्थियों तक, सभी वर्गों के लोगों ने एक साथ कदम मिलाए और राष्ट्रीय पर्व का उल्लास मनाया। दौड़ का शुभारंभ जय स्तंभ चौक से हुआ, जिसे विधायक श्री दीपेश साहू ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ ने भी स्वयं दौड़ में शामिल होकर जनता का उत्साह बढ़ाया। रूट में सिग्नल चौक, बस्ती चौक, दुर्गा मंदिर, गौरव पथ, राम मंदिर और भारत माता चौक जैसे प्रमुख स्थलों से होते हुए पुन: जय स्तंभ चौक पर इसका समापन हुआ। मार्ग के दोनों ओर खड़े लोगों ने प्रतिभागियों का जोश बढ़ाया, वहीं अनेक स्थानों पर तिरंगा लहराते हुए बच्चों और युवाओं ने ''भारत माता की जय'' और ''वंदे मातरम्'' के नारों से वातावरण गूंजा दिया। इस अवसर पर शहर में स्थापित सेल्फ़ी प्वाइंट्स पर लोगों ने तिरंगे के साथ तस्वीरें लीं, वहीं कैनवास बोर्ड पर प्रतिभागियों और नागरिकों ने स्वतंत्रता, एकता और सद्भावना के संदेश लिखे। विधायक श्री दीपेश साहू ने कहा कि आजादी का यह पर्व केवल हमारे इतिहास का गौरव नहीं, बल्कि हमारे भविष्य की जिम्मेदारी भी है। हमारे पूर्वजों ने कठिन संघर्ष और बलिदान देकर हमें यह स्वतंत्रता दिलाई है, और अब यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इसे और सशक्त बनाएं। यह स्वतंत्रता दौड़ हमें याद दिलाती है कि जब हम सब एक लक्ष्य और एक भावना के साथ आगे बढ़ते हैं, तो कोई भी चुनौती हमें रोक नहीं सकती।

हर घर तिरंगा
15 अगस्त 2025
स्वतंत्रता दिवस
समस्त छत्तीसगढ़ वासियों को
स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएँ...
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से
जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करें।
सुशासन से समृद्धि की ओर...
Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

स्वतंत्रता दिवस पूर्व स्वतंत्रता दौड़ का भव्य आयोजन, युवाओं में दिखा देशभक्ति का जोश

अतिथियों ने दिखाई हरी झंडी, युवाओं को दिया एकता का संदेश

दुर्ग(समय दर्शन)। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित स्वतंत्रता दौड़ का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद श्री विजय बघेल, दुर्ग शहर विधायक श्री गजेंद्र यादव, महापौर श्रीमती अलका बाघमार, पुलिस महानिरीक्षक श्री रामगोपाल गर्ग, कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री विजय अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री विरेन्द्र सिंह, नगर निगम कमिश्नर, एसडीएम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत में सांसद विजय बघेल और अन्य अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया। इस अवसर पर सभी ने प्रतिभागियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए देशभक्ति, सद्भावना और सामाजिक एकता का संदेश दिया।

छात्रों और युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी

इस स्वतंत्रता दौड़ में जिले के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। प्रतिभागियों ने सफेद टी-शर्ट और हाथों में राष्ट्रीय ध्वज के साथ दौड़ते हुए भारत माता की जय और वंदे मातरम जैसे नारों से माहौल को देशभक्ति से सराबोर कर दिया।

दौड़ का उद्देश्य केवल खेल भावना को बढ़ावा देना नहीं था, बल्कि समाज में राष्ट्रीय एकता, भाईचारा और आपसी सद्भाव को मजबूत करना भी था। आयोजन के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि स्वतंत्रता केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि इसे बनाए रखने और मजबूत करने में हर नागरिक की सक्रिय भूमिका होनी चाहिए।

प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय मौजूदगी

पूरे कार्यक्रम के दौरान जिले के प्रशासनिक, पुलिस और नगर निगम अधिकारियों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। उनकी उपस्थिति से आयोजन की गरिमा और भी बढ़ गई। सभी ने विद्यार्थियों के जोश की सराहना करते हुए कहा कि देश का भविष्य इन्हीं ऊर्जावान और अनुशासित युवाओं के हाथों में सुरक्षित है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित।
संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samay.darshan191@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27